



बंटी और बबली

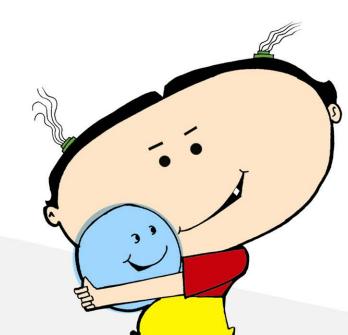
लेखक सोरित गुप्तो

बंटी को भाता है तितिलयों के साथ खेलना...
और पिक्षियों के साथ भी कागज़ की नाव तैराना उसका पसंदीदा खेल है|
उसे रेत के किले बनाने का भी बहुत शौक है|
लेकिन खेल कर बंटी जब घर जाती है
तो मम्मी उसे साफ़ सफाई से रहने के लिए कहती हैं|
इस पर बंटी मना कर देती है|
मुझे साबुन पसंद नहीं है!"
यह कह के वो जोर से चिल्लाती है|
एक रात उसे अजीब सपना आया|
कीटाणुओं ने उसके किले को घेर लिया है
और उस पर हमला कर रहे हैं|
कीटाणु बंटी का पीछा कर रहे हैं|
वो जान बचा के भागती है और चिल्लाती है|

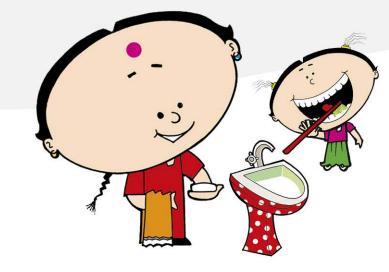












बचाओ... बचाओ|
तभी साबुनों का राजा बबली प्रकट होता है,
वो कहता है " डरो मत बंटी".
"कीटाणुओं पर हमला करो"!,
साबुनों का राजा अपनी बुलबुलों की सेना को आदेश देता है|
बुलबुलों की सेना कीटाणुओं को खदेड़ देती है|
आजकल, बंटी साबुन का इस्तेमाल करने लगी,
वो अब नियम ब्रश करती है और ठीक से नहाती है|

समाप्त

Click below to follow us:



